प्रेस विज्ञप्ति

जामिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ज़ीरिश असलम को एक महत्वपूर्ण सम्मान

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2025

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, जामिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ज़ीरिश असलम और प्रेरणा के पाँच अन्य पूर्व छात्रों को एक असाधारण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक स्वागत समारोह में आमंत्रित किया गया था।

जम्मू और कश्मीर के सुरम्य शोपियां जिले की रहने वाली ज़ीरिश ने जिला स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करके अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने प्रतिष्ठित प्रेरणा कार्यक्रम में उनके चयन का मार्ग प्रशस्त किया, जो अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से भारत के युवाओं को सशक्त बनाने वाली एक दूरदर्शी पहल है। गुजरात में प्रेरणा के वडनगर परिसर में, ज़ीरिश भारत के 10 अलग-अलग राज्यों से आए 20 असाधारण प्रतिभाशाली छात्रों के एक विविध समूह में शामिल हुईं और एक सप्ताह के परिवर्तनकारी अनुभव में खुद को डुबो दिया, जिसे मौलिक विचारों को जगाने और अगली पीढ़ी के लीडर्स को प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

ज़ीरिश को उस गर्मजोशी भरे और उत्साही स्वागत की याद ताज़ा है जो उन्हें और उनके साथी पुरस्कार विजेताओं को मिला था। जैसे ही वे प्रतिष्ठित सभा में प्रवेश कर रहे थे, वे गणमान्य व्यक्तियों, मंत्रियों और विदेशी राजदूतों से घिरे हुए थे। ज़ीरिश को समानता, सम्मान और समावेशिता की भावना ने प्रभावित किया।

कार्यक्रम के दौरान, ज़ीरिश को भारत की माननीय राष्ट्रपति से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और प्रेरणा में उनकी पढ़ाई और अनुभवों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से भी बातचीत की, जिन्होंने मुस्कुराते हुए उनका स्वागत किया और उनके भविष्य के प्रयासों के बारे में पूछा।

ज़ीरिश याद करते हुए कहती हैं, "मैं और मेरे सहकर्मी राष्ट्रगान के दौरान एक साथ खड़े हुए और एक स्वर में गाया। जैसे ही हमारी आवाज़ें एक साथ गूँजीं और पूरा कमरा गर्व से भर गया, मुझे देशभक्ति और एकता की गहरी भावना का एहसास हुआ।" यह असाधारण अनुभव ज़ीरिश और उनके साथी पुरस्कार विजेताओं के लिए गहरी प्रेरणा का स्रोत बन गया है, जिसने भविष्य के लीडर्स को तैयार करने और विकसित भारत के विज़न में योगदान देने के लिए प्रेरणा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

इस आयोजन ने उनके जीवन पर एक अमिट छाप छोड़ी है, उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और अपने समुदायों में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रेरित किया है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय और स्कूलों ने ज़ीरिश को इस दुर्लभ सम्मान और पहचान के लिए हार्दिक बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि वह अपने स्कूल और जामिया मिल्लिया इस्लामिया को गौरवान्वित करती रहेंगी।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी